

(ALL CA FOUNDATION BATCHES)

DATE: 28.12.2020

MAXIMUM MARKS: 100

TIMING: 3 Hours

BUSINESS LAW & BUSINESS CORRESPONDENCE & REPORTING

Question No. 1 is Compulsory. Answer any four question from the remaining five questions. Wherever necessary, suitable assumptions should be made and disclosed by way of note forming part of the answer.

Working Notes should form part of the answer.

Answer 1:

- (a) कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के अनुसार यदि केन्द्र सरकार को लगता है कि धारा 8 वाली कम्पनी अपने उद्देश्यों का उल्लंघन कर रही है, जिनको ध्यान में रखकर लाईसेन्स दिया गया था अथवा कपट में कार्य कर रही है अथवा जनहित के विरुद्ध कार्य कर रही है तो वह लाईसेन्स खण्डित कर सकती है। यदि लाईसेन्स खण्डित होता है तो केन्द्र सरकार कम्पनी को किसी अन्य कम्पनी के साथ समामेलित कर सकती है। परन्तु उस कम्पनी का उद्देश्य भी कम्पनी के उद्देश्य जैसा ही होना चाहिए अर्थात् समान उद्देश्य वाली कम्पनी के साथ विलयन हो सकता है। यदि कम्पनी अन्य कम्पनी के साथ विलयन करती है तो एक नई कम्पनी बनाई जायेगी। जिसकी सम्पत्तियां दायित्व हित अधिकार वे होंगे जो केन्द्र सरकार निर्धारित करेगी। उपरोक्त दशा में केन्द्र सरकार ने एक प्रथक कम्पनी बनाई है। परन्तु उस कम्पनी का उद्देश्य बिलकुल अलग है। इसलिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी किया गया आदेश कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार नहीं है और केन्द्र सरकार का फैसला अनुचित है।

Answer:

- (b) भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 2(d) के अनुसार भारत में यह आवश्यक नहीं है कि प्रतिफल पक्षों द्वारा ही दिया जाए, यह किसी अन्य व्यक्ति, यहाँ तक कि अनुबंध के लिए अजनबी व्यक्ति द्वारा भी दिया जा सकता है। यह समस्या **चिन्नैया बनाम रम्मेया** के विवाद पर आधारित है जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट रूप से यह कहा कि यह आवश्यक नहीं कि प्रतिफल आवश्यक रूप से पक्ष द्वारा स्वयं दिया जाये, यह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भी दिया जा सकता है। इस समस्या में भी यही कारण लागू होता है। अतः M कथित राशि N को देने के लिए बाध्य है तथा अपने दायित्व को इस आधार पर मना नहीं कर सकती कि प्रतिफल N द्वारा नहीं दिया गया।

Answer:

- (c) वस्तु विक्रय अधिनियम धारा 15 के अनुसार "यदि वस्तु का विक्रय नमूने एवं वर्णन दोनों के आधार पर विक्रय किया जाता है तो वस्तु दोनों के अनुरूप होनी चाहिए। — इस मामले में वस्तु नमूने के अनुसार है। परन्तु वर्णन के अनुसार (Darjeeling Tea) नहीं है। इसलिए वर्णन एवं नमूने सम्बन्धित गर्भित शर्त भंग हुई है और भूषण चाय को वापस कर सकता है। और ऐसे वापस ले सकता है।

Answer 2:

- (a) प्रस्ताव के विखण्डन के तरीके (Modes of Revocation of Offer)
- विखण्डन के नोटिस द्वारा।
 - समय बीतने पर — स्वीकृति के लिए समय खत्म हो सकता है यदि स्वीकृति को निर्दिष्ट समय के भीतर नहीं दिया जाये तथा जहाँ कोई समय निर्दिष्ट न हो तो उचित समय के भीतर। इसका यही कारण है कि प्रस्तावक को अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा करने के लिए नहीं विवश नहीं किया जाना चाहिये। Ramsgate Victoria Hotel Co. Vs. Montefiore (1866 L.R.Z. Ex 109), मामले में यह निर्णय दिया गया कि वह व्यक्ति जिसने जून में अंशों के लिए आवेदन किया था नवम्बर में किये गये आवंटन से बाध्य नहीं है। इस निर्णय का India Cooperative Navigation and Trading Co. Ltd. Vs. Padamsey Premji मामले में भी पालन किया गया। लेकिन अंशों

- के आवंटन के मामले में अब इन निर्णयों का कोई महत्व नहीं रहा है क्योंकि कम्पनी अधिनियम, 2013 ने इन मुद्दों का समावेश करने वाले अनेक विशिष्ट प्रावधान किये हैं।
- (iii) किसी पूर्व शर्त को पूरा न करना – जहाँ स्वीकारक स्वीकृति से पूर्व किसी शर्त को पूरा करने में असफल रहा है तो प्रस्ताव विखण्डित हो जाता है। अधिनियम की धारा 6 में व्यवस्थित सिद्धांत यही है। उदाहरण के लिए प्रस्तावक कुछ शर्तों को थोप सकता है जैसे किन्हीं प्रपत्रों की तामील करके या जनमत राशि के तौर पर कुछ राशि जमा कराके। किसी शर्त को पूरा न करना प्रस्ताव की समाप्ति की ओर ले जायेगा। जैसा पहले ही बताया गया है स्वीकृति से पूर्व कोई शर्त किसी भी दायित्व को अस्तित्व में आने से रोकती है जब तक शर्त पूरी नहीं कर दी जाती। मान लें जहाँ अ अपने मकान को ब को रुपये 5 लाख में बेचने का प्रस्ताव करता है बशर्ते कि व अपनी जमीन का पट्टा 'अ' के नाम करे। यदि व भूमि का पट्टा करने से मना करता है तो उनका प्रस्ताव स्वतः ही विखण्डित हो जाता है।
- (iv) मृत्यु या पागलपन द्वारा – प्रस्तावक की मृत्यु या पागलपन प्रस्ताव के स्वतः विखण्डन को उत्पन्न करेगा केवल तब यदि मृत्यु या पागलपन का तथ्य स्वीकारक की जानकारी में आ जाये।
- (v) प्रति प्रस्ताव रखकर।
- (vi) निर्धारित या सामान्य तरीके से प्रस्ताव की स्वीकृति न करे।
- (vii) तदोपरान्त अवैधानिकता के कारण।

{1 M for each correct 7 points}

Answer:**(b)****विक्रय तथा किराया क्रय के बीच अन्तर**

क्र. सं.	अन्तर का आधार	विक्रय	किराया क्रय
1	स्वामित्व अन्तरण का समय (Time of passing Property)	माल में स्वामित्व अनुबन्ध के समय पर तुरन्त ही क्रेता को अन्तरित हो जाता है	किराया-क्रेता अन्तिम किश्त के भुगतान पर माल का स्वामी बनता है।
2	पक्षकार की स्थिति (Position of the Party)	क्रेता की स्थिति माल के मालिक जैसी होती है।	किराया क्रेता की स्थिति एक निक्षेपगृहिता के समान होती है जब तक वह अन्तिम किश्त नहीं चुका देता।
3	अनुबन्ध की समाप्ति (Termination of Contract)	क्रेता अनुबन्ध को समाप्त नहीं कर सकता है तथा वह माल के मूल्य को चुकाने के लिए बाध्य होता है।	किराया क्रेता, यदि वह ऐसा चाहता है, शेष किश्तों को चुकाने के किसी दायित्व के बिना उसके स्वामी को माल लौटाने के बाद अनुबन्ध भंग कर सकता है।
4	क्रेता के दिवालियापन की जोखिम का भार (Burden of Risk of insolvency of the Buyer)	विक्रेता क्रेता के दिवालियापन से उत्पन्न किसी हानि की जोखिम को वहन करता है।	स्वामी ऐसी कोई जोखिम नहीं लेता, क्योंकि यदि किराया क्रेता एक किश्त चुकाने में असफल रहता है तो मालिक की अधिकार है कि माल वापिस ले सके।
5	अधिकार का हस्तांतरण (Transfer of Title)	क्रेता स्वयं से योग्य क्रेता को माल का श्रेष्ठ अधिकार अन्तरित कर सकता है।	किराया क्रेता एक सुयोग्य क्रेता को भी कोई अधिकार अन्तरित नहीं कर सकता है।
6	पुनः विक्रय (Resale)	विक्रय में क्रेता माल का पुनः विक्रय कर सकता है।	किराया क्रेता तब तक नहीं बेच सकता है जब तक उसने सभी किश्तें न चुका दी हों।

{1 M for each correct 5 points}

Answer 3:

- (a) एक सेवानिवृत्त साझेदार तब तक फर्म के कार्यों के लिए बाध्य होता है जब तक वह उसके लिए या शेष साझेदार सेवानिवृत्ति की सार्वजनिक सूचना न देवे। एक सेवानिवृत्त साझेदार उस तृतीय पक्षकार के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो फर्म के साथ व्यवसाय करते समय यह नहीं जानता हो कि उक्त व्यक्ति कभी फर्म का साझेदार था।

{3 M}

जब स्वैच्छिक साझेदारी होती है तो कोई भी साझेदार अपनी सेवानिवृत्ति की लिखित में सूचना देकर अपने दायित्वों से विमुख हो सकता है। इस परिस्थिति में उसे सार्वजनिक सूचना देने की आवश्यकता नहीं है। साझेदारी अधिनियम 1932 की धारा 28 गत्यावरोध द्वारा साझेदार को तृतीय पक्षकार के विरुद्ध उत्तरदायी मानेगी यदि वह उक्त साझेदार के विश्वास पर फर्म को उधार दे।

उपरोक्त नियम को लागू करते हुए मि. P को मि. X के लिए उत्तरदायी होना होगा। } {1 M}

Answer:

(b) निम्नलिखित परिस्थितियों में शर्त भंग होने के कारण भी अनुबन्ध का परित्याग नहीं किया जा सकता।

- (i) जब क्रेता किसी शर्त का अनुपालन बिल्कुल छोड़ देता है, तब एक पक्ष अपने लाभ के लिए उक्त बन्धन का परित्याग कर सकता है,
- (ii) जब क्रेता शर्त को भंग करने की स्थिति को आश्वासन की स्थिति के रूप में मानने का चुनाव करता है अर्थात् वह अनुबन्ध को रद्द करने के स्थान पर मात्र हर्जाने का दावा करता है, अथवा
- (iii) जब अनुबन्ध विभाजन योग्य नहीं है और क्रेता ने या तो समस्त माल को स्वीकार कर लिया है अथवा उसके भाग को स्वीकार किया है।
- (iv) जब किसी शर्त अथवा आश्वासन को पूरा किये जाने में कानून के द्वारा असम्भावना अथवा अन्यथा के कारण छूट दे सकते हैं।

{1 M for each point}

Answer:

(c) हाऊस ऑफ लॉर्ड **सैलोमन बनाम सैलोमन लि.** में निर्णय दिया कि कम्पनी अपने सदस्यों से अविच्छिन्न तथा पृथक है तथा इसलिए इसका अपने सदस्यों से, जिन्होंने कम्पनी का गठन किया है। स्वतंत्र, पृथक कानूनी अस्तित्व है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में न्यायालय निगमित आवरण को उठा सकता है। इसका अर्थ है निगमित आवरण के पीछे झोंकना तथा निगमित अस्तित्व को नहीं मानना जहाँ कम्पनी का निर्माण तथा निगमन कुछ व्यक्तियों द्वारा निगमित प्रकृति के पीछे शरण लेकर करें की चोरी करना है वहाँ न्यायालय करें की चोरी के मामले में निगमित अस्तित्व की अवमानना करें।

{2 M}

(1) प्रश्न में पूछी गई समस्या उपर्युक्त तथ्यों पर आधारित है। करदाता ने तीन कम्पनियों का गठन करें की चोरी करने के लिए किया था तथा कम्पनियों करदाता से अलग कुछ भी नहीं थी। इसलिए F का इरादा कर की चोरी करने के इरादे से तीन भागों में बँटने का था।

{1 M}

(2) तीन निजी कम्पनियों के कानूनी व्यक्तित्व की अवमानना की जा सकती है क्योंकि इनका निर्माण केवल करें की चोरी करने के लिए किया गया था तथा कम्पनी करदाता से अधिक कुछ नहीं थी। उन्होंने कोई व्यापार नहीं किया, लेकिन केवल ब्याज तथा लाभांश की आय को प्राप्त करके उसे करदाता को कल्पित ऋण के रूप में वापस करना था। ऐसा निर्णय सर दिनशॉ मानेकजी पेटिट AIR 1927 बम्बई 371.

{1 M}

Answer 4:

(a) सीमित दायित्व साझेदारी तथा सीमित दायित्व कम्पनी के बीच अन्तर

(Distinction between LLP and LLC)

	अन्तर का आधार	सीमित दायित्व साझेदारी	सीमित दायित्व कम्पनी
1.	नियंत्रणकारी अधिनियम	सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम, 2008	कम्पनी अधिनियम, 2013
2.	सदस्य/साझेदार	वे व्यक्ति जो सीमित दायित्व साझेदारी के प्रति योगदान करते हैं वे सीमित दायित्व साझेदारी के साझेदार के रूप में जाने जाते हैं।	वे व्यक्ति जो शेयर्स में रकम निवेश करते हैं कम्पनी के सदस्य के रूप में जाने जाते हैं।
3.	आन्तरिक प्रशासनिक ढाँचा	एक सीमित दायित्व साझेदारी का आन्तरिक नियंत्रण ढाँचा साझेदारों के बीच ठहराव से चलता है।	एक कम्पनी का आन्तरिक प्रशासन ढाँचा विधान द्वारा नियंत्रित किया जाता है (Companies Act, 2013).
4.	नाम	सीमित दायित्व साझेदारी के नाम के अन्त में Limited Liability Partnership	सार्वजनिक कम्पनी के नाम में शब्द Limited तथा निजी कम्पनी के नाम

{1 M for each correct 6 points}

		शब्दों का प्रत्यय (Suffix) के तौर पर प्रयोग करना चाहिये।	में Private Limited शब्द आने चाहिये (Suffix के रूप में)
5.	सदस्यों/साझेदारों की संख्या	न्यूनतम : 2 सदस्य अधिकतम : अधिनियम में ऐसी कोई सीमा नहीं है। सीमित दायित्व साझेदारी के सदस्य व्यक्ति / या समामेलित संस्था हो सकते हैं नामांकित व्यक्ति के माध्यम से।	निजी कम्पनी : न्यूनतम : 2 सदस्य अधिकतम : 200 सदस्य सार्वजनिक कम्पनी : न्यूनतम : 7 सदस्य अधिकतम : कोई ऐसी सीमा नहीं है। सदस्य हो सकते हैं संगठन, प्रयास, कोई अन्य व्यावसायिक स्वरूप या व्यक्ति।
6.	सदस्य/साझेदारों का दायित्व	साझेदारों का दायित्व उनके सहमत अंशदान तक सीमित होता है सिवाय स्वैच्छिक कपट की दशा में।	सदस्यों का दायित्व सीमित रहता है उनके द्वारा धारित अंशों पर, उच्चतम राशि तक।
7.	प्रबन्ध	कम्पनी का व्यवसाय ठहराव में अधिकृत नामजद साझेदारों के साथ साझेदारों द्वारा प्रबन्धित किया जाता है।	कम्पनी का कामकाज अंशधारकों द्वारा चुने गये संचालक मण्डल द्वारा संभाला जाता है।
8.	संचालकों/नामित सदस्यों की न्यूनतम संख्या	कम से कम 2 नामित साझेदार	निजी कम्पनी : 2 संचालक सार्वजनिक कम्पनी : 3 संचालक

Answer:

- (b) इस प्रश्न के सम्बन्ध में कि क्या एक पंजीकृत फर्म के (जिसके व्यापार को उसके एक साझेदार की मृत्यु के पश्चात समापन के पश्चात जारी रखा जाता है) शेष साझेदारों द्वारा, उस स्थिति के पश्चात् किये गये व्यवहार अथवा सौदों के सम्बन्ध में, फर्म के पंजीयक को फर्म की संरचना में परिवर्तन के विषय में सूचित किये बिना, मुकदमा किया जा सकता है, शेष साझेदारों द्वारा कथित रूप से बाद में किये गये व्यवहार अथवा सौदों के विषय में मुकदमा किया जा सकता है, शेष को दोबारा उसके कथित समापन के पश्चात् पंजीकृत नहीं किया गया था और उक्त साझेदार के विषय में कोई नोटिस पंजीयक को नहीं दिया गया था और उक्त साझेदार के विषय में कोई नोटिस पंजीयक को नहीं दिया गया था। {3 M}
- इन समस्त मामलों में जो परीक्षण लागू किया गया था वह यह था कि क्या वादी ने दो आवश्यकताओं को पूर्ण किया था :-
- (i) मुकदमा उस फर्म के द्वारा अथवा उसके आधार पर किया गया हो जो, पंजीकृत की गई थी
- (ii) जिस व्यक्ति ने मुकदमा किया है, उसे फर्म के रजिस्टर में साझेदार के रूप में दिखाया गया था।
- उत्तर :- अतः हम कह सकते हैं कि :- {1 M}
- इस मामले में B और C के द्वारा X के विरुद्ध मुकदमा किया जा सकता है।
- उत्तर :- {2 M}
- इस मामले में पहली शर्त संतुष्ट हुई है पर दूसरी शर्त पूरी नहीं हुई है, क्योंकि जिस व्यक्ति ने वाद प्रस्तुत किया था, उसका नाम रजिस्ट्रार के फर्म के रजिस्टर में साझेदार के रूप में प्रदर्शित नहीं था।

Answer 5:

- (a) सार्वजनिक वित्तीय संस्थान (Public Financial Institution):- धारा 2(72) के अनुसार, इससे आशय है:- {1 M for each 5 points}
- (i) भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन भारतीय जीवन बीमा निगम
- (ii) संरचनात्मक विकास वित्त कम्पनी लि.।
- (iii) भारतीय यूनिट ट्रस्ट।
- (iv) केन्द्र सरकार के द्वारा अधिसूचित संस्थान।
- (v) अन्य कोई संस्थान जिसे केन्द्र सरकार ने रिजर्व बैंक के परामर्श से अधिसूचित किया हो।

सार्वजनिक वित्तीय संस्थान अधिसूचित करने के लिए शर्तें:— कोई भी संस्थान पी.एफ.आई के रूप में तभी अधिसूचित किया जाएगा जब:—

1. उसका निर्माण या स्थापना किसी केन्द्रीय या राज्य अधिनियम के अन्तर्गत हुई है।
2. जिसकी कम से कम 51 प्रतिशत अंश प्रदत्त पूंजी केन्द्र सरकार, राज्य सरकार आंशिक रूप से केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के पास हो।

{2 M}

Answer:

- (b) एक अनुबंध जिसमें व्यक्तिगत कौशल का उपयोग शामिल है या व्यक्तिगत विचार पर स्थापित किया जाता है, वह वचनदाता की मृत्यु पर समाप्त हो जाता है। किसी अन्य अनुबंध के संबंध में मृतक होनहार के कानूनी प्रतिनिधि इसे निष्पादित करने के लिए बाध्य होते हैं, जब तक कि अनुबंध से कोई विपरीत उद्देश्य (भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 37) प्रकट नहीं होता है, लेकिन एक अनुबंध के तहत उनकी देयता उस संपत्ति के मूल्य तक सीमित है जो उन्हें मृतक से विरासत में मिली है।
- (i) दिये गये मामले में, चूंकि पेटिंग में व्यक्तिगत कौशल का उपयोग शामिल है और Mr. C लकवाग्रस्त होने पर, मिस्टर Rich अपने पिता Mr. C के बदले में कलात्मक कार्य पूरा करने के लिए Mr. K को नहीं कह सकते हैं।
- (ii) भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 65 के अनुसार, जब किसी समझौते को शून्य मान लिया जाता है या जब कोई अनुबंध शून्य हो जाता है, तो कोई भी व्यक्ति जिसे इस तरह के समझौते या अनुबंध के तहत कोई लाभ मिला है, उसे बहाल करने के लिए बाध्य है, या इसके लिए उस व्यक्ति को मुआवजा दें, जिससे उसने इसे प्राप्त किया है।
- इसलिए, दिये गये मामले में, मिस्टर Rich और Mr. C के बीच समझौता Mr. C को लकवा होने के कारण शून्य हो गया है। मिस्टर Rich, Mr. K को उनके पिता, Mr. C. द्वारा प्राप्त की गयी अग्रिम राशि को वापस लौटाने के लिये बाध्य होंगे।

{1 1/2 M}

{1 M}

{1 1/2 M}

{1 M}

Answer 6:

(a) करार की वैधता:—

- (1) **शून्य अनुबंध :-**
भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 की धारा 23 के अनुसार जो अनुबंध किसी सार्वजनिक नीति के विरुद्ध किसी प्रतिफल पर आधारित है तो वह अनुबंध शून्य होगा।
- (2) **शून्य अनुबंध :**
भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872 की धारा 20 के अनुसार यदि कोई अनुबंधों तथ्यों संबंधित भूल के कारण हुआ है तो वह शून्य अनुबंध है इस अनुबंध में विषय-वस्तु के होने के बारे में भूल की गयी है।
- (3) **शून्य अनुबंध:**
भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 27 के अनुसार यदि कोई अनुबंध किसी व्यापार को प्रतिबन्धित करता है तो वह अनुबंध शून्य अनुबंध होगा। लेकिन कोई खरीददार यह शर्त रख सकता है कि विक्रेता उसी प्रकार का व्यापार नहीं, परन्तु शर्त समय और कार्य स्थल रख सकता है कि विक्रेता उसी प्रकार का व्यापार नहीं, परन्तु शर्त समय और कार्य स्थल के बारे में उचित होनी चाहिए।
- (4) **शून्य अनुबंध:—**
भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 की धारा 28 के अनुसार यदि कोई अनुबंध किसी वैधानिक प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगाता है वह शून्य अनुबंध होगा।
- (5) **वैध अनुबंध :**
किसी विदेशी मित्र के साथ किया गया अनुबंध वैध है, जबकि किसी विदेशी दुश्मन के साथ किया गया अनुबंध अवैध होता है।

{1 M for each valid void & 1 M for each reason}

Answer:

- (b) इस मामले में वस्तु का कब्जा एवं नियंत्रण रेलवे के पास नहीं है। इस लिए वह माल को रास्ते में नहीं रोक सकती। क्योंकि वह पहले से उनका कब्जा अम्बिका को दे चुके हैं। अम्बिका क्रेता की एजेंट है। जैसे ही क्रेता या उसका एजेंट माल की सुपुर्दगी प्राप्त कर लेता है। रास्ता/पारेषण समाप्त मान लिया जाता है। {1 M}
- अम्बिका द्वारा माल की सुपुर्दगी लेने पर विक्रेता को माल को रास्ते में रोकने का अधिकार समाप्त हो जाता है। इस लिए इस मामले में रेलवे विक्रेता के निर्देशानुसार माल को रास्ते में नहीं रोक सकती है। {1 M}

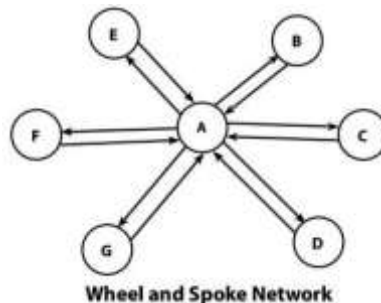
PAPER : BUSINESS CORRESPONDENCE & REPORTING

The Question Paper comprises of 5 questions of 10 marks each.
Question No. 7 is compulsory. Out of questions 8 to 11, attempt any three.

SECTION-B : BUSINESS CORRESPONDENCE & REPORTING (40 MARKS)**Answer 7:****(a) Wheel & Spoke Network :**

This is an organization where there is a single controlling authority who gives instructions and orders to all employees working under him/her. All employees get instructions directly from the leader and report back to him/her. It is direct and efficient for a small business/company, but inappropriate way of communication in a large organization with many people. A company with many employees needs more decision makers or nothing would get done. Can a large conglomerate like Reliance or Tata Sons have one person making decisions? Moreover, if the central figure is not competent, the entire business will suffer. {1 M}

{1 M}

**Answer:**

- (b) (i) To be a pioneer
(ii) Perplexed
(iii) Will a story be told by you?
(iv) Conflict {1 M Each}

Answer:

- (c) Letter informing about the postponement of interview date
Sender's address
Date
Receiver's designation
Receiver's address
Subject – Letter regarding the postponement of interview date {2 M}

Dear Mr Bansal

This letter is to inform you that the interview that was scheduled with Mr. Gupta, CEO, ABC Company, has been postponed. The interview was planned to take place on 1 Oct, 2020 but this has changed. The meeting has been postponed to 15 Oct, 2020. The venue and the timing of the interview meeting however remains the same.

It has been postponed due to some unavoidable circumstances. In case of any other queries, you can either revert to the same letter or drop in an e-mail on our official email id.

{2 M}

We apologies for the inconvenience caused.

Thank you

Yours sincerely

Name of Sender

Designation of Sender

Answer 8:

- (a) (i) The possible reasons behind employees quitting the company after acquiring higher qualifications could be an unstable future and lack of growth in ABC Insurance Co. Ltd. {2 M}
- (ii) Yes, there is a need to amend the policy of educational reimbursement. For ex: an employee shall at least serve the company for a minimum of three years after seeking such reimbursement. {1 M}
- (iii) In order to overcome high employee attrition problem, employer should ensure the upgraded level of company. Employees should be provided with utmost growth and ensured satisfaction. {2 M}

Answer:

- (b) (i) **Recycling**
1. **Meaning**
 - 1.1 Prcs. of reusing
 - 1.2 Imp. to recycle
 - 1.2.1 to save natural resources
 2. **Waste recycling**
 - 2.1 Help to save energy
 - 2.2 Reduce pllutn.
 - 2.3 Imp for envt. & humans
 3. **Plastic Material**
 - 3.1 Reduce Pollution
 - 3.1.1 Water Pollution
 - 3.1.2 Air Pollution
 - 3.2 Imp to have waste disposal system

{2 M}

Key Note –

- | | | | |
|----|------|---|-------------|
| 1. | Prcs | - | Process |
| 2. | Imp | - | Important |
| 3. | Envt | - | Environment |
| 4. | & | - | And |
| 5. | Sysm | - | System |

{1 M}

(ii) Summary :

Recycling is regarded as the process of reusing the items which are generally regarded as waste but are of great utility. It ensures the conservation of natural resources for future generation along with saving energy. Recycling of plastic material also helps in reducing air and water pollution. In short, we can say that recycling is the best way to have ecofriendly environment. {2 M}

Answer 9:

- (a)** Formal communication: Formal Communication, both oral and written, follows certain rules, principles and conventions in conveying the message,. The hierarchy in the organization has to be followed. Formal format, style and language have to be used. The communication pattern can be vertical, horizontal or diagonal. {2 M}

OR

Encoding is the process of turning thoughts into communication. The encoder uses a 'medium' to send the message – a phone call, email, text message, face-to-face meeting, or other communication tool. The level of conscious thought that goes into encoding messages may vary. {2 M}

Answer:

- (b) (i)** Brief
- (ii)** Mysterious
- (iii)** The angry mother jeered to her son if he supposed that he knew better than his own father. {1 M Each}

Answer:

- (c) Project to interconnect rivers in India**
- **By XYZ**

New Delhi, 16 July. The interlinking of river project is a Civil Engineering project, which aims to connect Indian rivers through reservoirs and canals. The farmers will not have to depend on the monsoon for cultivation and also the excess or lack of water can be overcome during flood or drought. You will be surprised to know that India has approx four percent of the water available, and India's population is around 16 percent of the world's population. But every year, hundreds of millions of cubic cusec water flows into the ocean and India has to meet its needs with only 4 percent of the water.

Every project has two aspects, but we should focus on how much more people will get benefit from this project. This article is based on the interlinking of the river project, in which its history and the benefits of this project are explained.

What is the interlinking River project?

This project will connect 60 rivers of India, including river Ganga.

Hopefully, with the help of this project, there will be a reduction in the dependence of farmers on uncertain monsoon rains and there will also be millions of cultivated land for irrigation. This project is divided into three parts: North Himalayan river link constituents; Southern Peninsular Component starting from 2005, Interstate interlinking of rivers. This project is being managed under the National Water Development Authority of India (NWDA), Ministry of Water Resources.

- This project can solve the problem of drought and flood because at the time of need the river which causes flood can give water to the area of the river which has a shortage of water because the water can be stored or water can be transferred from

{Any 5 points each 1 Mark}

water surplus area to the deficit. Ganga and the Brahmaputra region can get rid of floods that come every year with the help of this project.

- The irrigation, land will also increase by about 15 percent.
- 15,000 km of river and 10,000 km of navigation will be developed. Thereby reducing the transportation cost.
- Large scale afforestation and about 3,000 tourist spots will be built.
- This project will solve the problems of drinking water and financially also will solve the problem.
- It is also possible to get jobs for landless farmers in rural areas.

Disadvantages of Interlinking River Project

There may be advantages as well as disadvantages of the project. Rivers are being considered an integral part of our life from the beginning, and any kind of human intervention can prove to be destructive. For the completion of the Interlinking River project, many big dams, canals, and reservoirs will have to be constructed due to which the surrounding land will become swampy and will not be suitable for agriculture. This can also reduce the production of food grains. Where or in which area to bring so much water, which canal is to be transferred, it is mandatory to study and research it adequately. The cost of this project in 2001 was Rs. 5,60,000 crore but in reality, there is a possibility that it will be more.

Taking the water of Ganga above the Vindhya towards Cauvery, will cost a lot more and for this, large diesel pumps will be used, more than 4.5 lakhs people will be almost displaced, 79,292 forests will also be submerged in water. It can also be understood that without joining river the reality, there is a possibility that it will be more.

Taking the water of Ganga above the Vindhya towards Cauvery, will cost a lot more and for this, large diesel pumps will be used, more than 4.5 lakhs people will be almost displaced, 79,292 forests will also be submerged in water. It can also be understood that without joining rivers, the problem of flood and drought can be solved.

Answer 10:

- (a) Non-verbal communications such as body language and visual cues affect the quality of interaction among individuals or group. An individual's facial expressions, stances, gestures, touches, and other physical signals constitute body language of communication. For example, leaning forward may mean friendliness, acceptance and interest, while crossing arms can be interpreted as antagonistic or defensive posture. {1 M}
- {1 M}

Answer:

- (b) (i) Glittering
(ii) Inconstancy
(iii) Varun said that Every Kid should learn coding. {1 M Each}

Answer:

- (c) **"Electronic Gadgets"-** Risky affair for youth. {1 M}
- It is very common these days that people use electronic gadgets in every sphere of life. For the sake of listening music they overdo it and risk their life. There are some live examples. An electrician failed to repair the iron because of his earphones addiction. You may find many earphone addicts commute by the metro every day. We sported a duffel bag and the bomb scare lasted for several minutes. Suddenly a youth came and took his bag and he is totally unaware of the situation just because of his earphones addiction. {4 M}

Answer 11:

- (a) **Listening for Understanding** : We are bombarded by noise and sound in all our waking hours. We 'hear' conversations, news, gossips and many other forms of speech all the time. However, most of it is not listened to carefully and therefore, not understood, partially understood or misunderstood. A good listener does not only listen to the spoken words, but observes carefully the nonverbal cues to understand the complete message. He/she absorbs the given information, processes it, understands its context and meaning and to form an accurate, reasoned, intelligent response. {1 M}
- The listener has to be objective, practical and in control of his emotion. Often the understanding of a listener is colored by his own emotions, judgments, opinions, and reactions to what is being said. While listening for understanding, we focus on the individual and his agenda. A perceptive listener is able to satisfy a customer and suggest solutions as per the needs of the client. {1 M}

Answer:

- (b) (i) The entire stretch of highway was cleaned by the crew.
 (ii) The homeowners remodeled the house to help it sell. {1 M Each}
 (iii) Socrates said that virtue is its own reward.

Answer:

- (c) **The Pros and cons of online education in India**
 - **By XYZ**

Pros and Cons of Online Classes – The widespread outbreak of coronavirus has led to moving towards online classes by schools, colleges, coachings, etc. Although online classes were already in place in many places, COVID-19 has paved a new way of teaching all over the country through online classes. Almost all schools, colleges, universities, etc. have now started online classes for the students so as to continue the studies in this time of pandemic. These online classes are being helpful for the teachers and students in completing the syllabus of the class which has not been possible in any other way. At present, both teachers and students have adopted this new model of education and are trying to get used to it with each passing day. But along with various advantages of online classes, there are some disadvantages too. Students are facing some difficulties in online classes like difficulty in clearing doubts properly, network issues and many more. Along with this, many still believe that online classes can never be an alternative to brick and mortar classes. Here, we have listed some of the pros and cons of online classes. Read the full article to know about all the pros and cons of online classes.

Pros of Online Classes

Following are the pros of online classes-

Study Anywhere – Online classes are available to a student sitting anywhere in the world provided he/she has a proper internet connection. So, if students are not in the city of their school or college then also they can avail the online classes easily. All they need to have is a working internet connection.

Elimination of travel time and Cost –

Online classes have eliminated the time and cost required to reach the school or college. In this way students are saving a lot of their precious time which they can utilize in any other productive work. Also, the cost incurred in daily travel to school and back to home has been totally eliminated with online classes.

Prevention of loss of studies – In this time of pandemic, online classes have come up as a boon for students. This is because if schools and colleges did not use online classes for studies, students would have wasted a lot of time in the session and it

{Any 5 points each 1 Mark}

would have been really difficult to cover the entire course later. Through online classes, the session is going on at a similar pace as it would have been in offline classes.

Individualized study – Online classes provide an individualized study environment to a student where he/she can study alone. Many times, students become shy in asking queries in front of the entire class but in online classes no one is around, so students can easily ask questions.

Moreover, this individualized study also prevents students from any kind of disturbance.

Monitoring by Parents – With the help of online classes, parents are also able to check and know what their children are studying, how teachers are teaching in the class. Also, they can also motivate their children to take up doubts. Basically, online classes also involve parents in the studies of students which was not the same in case of offline classes.

Introduction to new technologies – Online classes have introduced students to new technologies. They now know how to use a particular software through which the school is teaching or have knowledge about various other platforms which are being used for online classes. So, these classes are also making the students technologically advanced.

Cons of Online Classes

As online classes have emerged as the only solution for education during lockdown, there are many cons related to it. However these can be minimized with a little care.

Network Issues - One of the biggest problems of online classes is network issues. It has been seen students struggle a lot to connect to the session due to internet issues. Many times, teachers are not audible, not visible and much more. In such cases of network disruption, all the students start to talk at the same time which again creates another mess. So, network issues must be resolved for proper conduction of online classes.

Lacks One to One teaching - Online classes lack one to one teaching means these lack proper communication between students and teachers. Although students have the option to ask their queries in the online classes also but students find it difficult to get their doubts solved in a proper way. So many students are asking or putting their queries in the chat section that some are missed.

Continuous Use of Mobile/Laptop - One major concern of online classes is that students have to be on electronic devices like mobile phones, laptops or tablets continuously for 5-6 hours. This is not beneficial for students and will also cause health issues like eye strain to the students.

Requires Self-Discipline - In online classes, teachers are not able to monitor the students in the same way as offline classes, so these require a student to be self-disciplined. If a student is not disciplined, he/she may not pay attention to what the teacher is teaching in the class.

Proper utilization of online classes can lead to a new model of education involving online classes along with offline classes. But, proper care should be taken to minimize the cons of online classes.